भा० कृ० अ० सं० पुस्तकालय
दिल्ली-12

985/915

राष्ट्रीय सहारा (दैनिक समाचार पत्र)
21 अक्टूबर 2015

भविष्य उन देशों का है जहां अनाज है न कि बंदूक

हरित क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन ने कहा, भारत में कृषि पर जरूरी ध्यान नहीं दिया जा रहा

वाशिंगटन (भाषा)। भारत के हरित क्रांति के जनक एमएस स्वामीनाथन ने कहा कि भविष्य उन देशों का है जहां अनाज है न कि बंदूक। साथ ही कहा कि भारत को कृषि क्षेत्र को ज्यादा प्राथमिकता देनी चाहिए, यह उसकी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है।

स्वामीनाथन ने अमेरिका की एक विचार संस्था सेंटर फॉर स्ट्रेटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज में अपनी प्रस्तुति के बाद एक सवाल के जवाब में कहा, 'कृषि को और प्राथमिकता देने की जरूरत है। विज्ञान को और प्राथमिकता चाहिए। वैज्ञानिक संस्थाओं को और स्वायत्तता चाहिए। ऐसी स्थिति होनी चाहिए कि लोग समस्याओं को सुलझा सकें।' अपनी प्रस्तुति के दौरान स्वामीनाथन ने कहा कि किस तरह सरकार की नीति भूख खत्म करने के लक्ष्य को प्राप्त करने में भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि भविष्य उन देशों का है जिनके पास अनाज है न कि बंदूक। उन्होंने इस बात की आलोचना की कि कृषि पर भारत में आवश्यक ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंशा अच्छी है लेकिन जमीनी स्तर पर जिस तरह काम होना चाहिए वैसा नहीं हो रहा है।

साथ

■ जयललिता के सामाजिक कल्याण के प्रयासों की कृषि वैज्ञानिक ने की तारीफ

स्वामीनाथन ने कहा, 'प्रधानमंत्री की मंशा अच्छी है। उनकी योजनाएं अच्छी हैं। लेकिन वास्तविक रूप से जमीनी स्तर पर वैसा कुछ नहीं हो रहा है जो मैं देखना चाहूंगा।' स्वामीनाथन ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा के तरीकों को बरकरार रखना चाहिए और उन्हें मजबूत करना चाहिए।

अपने गृहराज्य तमिलनाडु की मिसाल देते हुए उन्होंने कहा कि वहां की मुख्यमंत्री जे जयललिता अपने सामाजिक कल्याण की पहलों के जरिए बिना किसी रुकावट के जनता की जरूरत पूरी करने में समर्थ हैं। उन्होंने कहा कि खाद्य भंडारण का नुकसान बहुत उच्च स्तर पर है और यह ऐसा मुख्य क्षेत्र है जिस पर ध्यान देने की जरूरत है।

21/10/15
प्रभारी, जिल्दसाजी एवं समाचार पत्र अनुभाग

प्रति :-
1. डी० जी०, निदेशक, भा० कृ० अ० सं०
2. " सं० निदेशक (प्रसार) "
3. " सं. निदेशक (अनुसंधान) "
4. " सं० निदेशक (शिक्षा) "
5. प्रभारी, पी.पी. आई.
6. प्रभारी, कैटेट
7. प्रभारी, ए० के० एम० यू०